खेती में उन्नत कृषि एवं सौर उर्जा यंत्रों का योगदान - डॉ. एस.एन. झा

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली के अतिरिक्त महानिदेशक (प्रोसेस इंजीनियरिंग) डॉ. एस. एन. झा ने दिनांक 17 अगस्त 2021 को केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर के शोध क्षेत्रों का भ्रमण किया । डॉ. एस. एन. झा ने कहा कि कृषि उत्पादन बढाने मे उन्नत कृषि यंत्रों का उपयोग करके किसान उच्छी पैदावार ले सकता हैं तथा मुल्य सवंर्धित उत्पाद बनाने के लिए भी नवीन तकनीक के

यंत्रों का उपयोग कर सकता हैं। उन्होंनें बताया कि सौर चुल्हा से पशुओं के लिए पोष्टिक आहार बनाने एवं सौर शुष्कक के माध्यम से सब्जि आदि सुखाकर या इनमें मुल्य सवंर्धित करके किसान अपनी आमदनी बढा सकता हैं। डॉ. झा ने संस्थान में दूषित पानी को कृषि में सिंचाई के लिए उपयोग करने की प्रणाली को देखा तथा बाजरे के बिस्किट्, चॉकलेट, कुरकुरे आदि बनाने के यंत्रों की उपयोगिता को मरूप्रदेश के किसानों विशेष कर महिलाओं के रोजगार के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होनें जल संचयन और चारा उत्पादन क्षेत्र के भ्रमण के दौरान शुष्क क्षेत्रों में जल संरक्षण करके इस जल द्वारा नेपियर घास, मोरिन्गा, कांटे रहित नागफनी का पोष्टिक चारा उगाने की प्रणाली की प्रशंसा की तथा यह तकनीक अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाने की सलाह भी दी । डॉ. झा ने संस्थान द्वारा शुष्क क्षेत्र में कृषि के विकास के लिए कि जा रही अनुसंधान शोध उपलब्धियों की सराहना की एवं सौर उर्जा के विभिन्न यंत्रों एवं तकनीकियों को कृषि के क्षेत्र में काफी फायदेमंद बताया ।

संस्थान निदेशक डॉ. ओ.पी.यादव ने थार शोभा खेजड़ी में कलम करनें की प्रणाली का जीवन्त प्रदर्षन डॉ. एस. एन. झा को नर्सरी में दिखाया तथा इस खेजड़ी की विशेषता बताते हुए कहा कि यह एक कांटे रहित एवं अधिक सांगरी देने वाली किस्म की खेजड़ी है जो कि शुष्क क्षेत्र के किसानों के लिए एक अतिरिक्त आय का स्त्रौत बन सकती हैं। डॉ. यादव ने संस्थान की गतिविधियों एवं उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी । उन्होने बताया कि विज्ञान आधारित एवं नवीन प्रौद्योगिकियों के उपयोग से खेती में लागत कम एवं मुनाफा अधिक होता है तथा तकनीकी हस्तांतरंण से

किसानों को आर्थिक लाभ मिल रहा है। उन्होंनें बताया कि अच्छी किस्मों के बीज उत्पादन कर एवं अच्छे गुणवत्तायुक्त पौधें किसानों को उपलब्ध कराये जा रहे और उसके अच्छे परिणाम भी मिल रहे है । काजरी भ्रमण के दौरान एस.एस.आर.आई. करनाल के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. पी.आर. भट्नागर ने संस्थान के सौलर यार्ड में प्रदर्षित एग्री वोल्टाइक प्रणाली तथा वायु सुरंग सुविधा को शुष्क क्षेत्रों के किसानों के लिए फायदेमंद बताया ।

विभागाध्यक्ष डॉ. दिलिप जैन एवं डॉ. सुरेन्द्र पुनिया ने सौर उर्जा, डॉ. प्रवीण कुमार भट्नागर ने फलदार पौधों एवं कृषि वानिकि पौधों के बारे में, डॉ. एन.वी. पाटिल ने थारपारकर गायों तथा पोष्टिक चारे के बारे में, डॉ. आर.एन.कुमावत ने दुषित जल को उपचारित करके सिंचाई में प्रयोग करने के बारे में, डॉ. ऐ. के. पटेल ने कृषि व्यवसाय अभिपोषण के बारे में, डॉ. सौमा श्रीवास्तव ने महिला उद्यमिता हेतु बेकरी युनिट के बारे में, डॉ. भगवत सिंह राठौड़ ने कृषि विज्ञान केन्द्र के कार्यो मे बारे में, डॉ. सुभाष कच्छवाह ने पशुओ मे रोग एवं निदान के बारे में तथा डॉ. प्रदीप कुमार ने पोली हाऊस की उपयोगिता के बारे में जानकारी दी ।